प्रगति प्रतिवेदन

जिला स्तरीय कार्यशाला

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति

आयोजक. नव भारतीय नारी विकास समिति, बहेरी बलिया

सहयोग–मुख्य चिकित्साधिकारी, चन्दौली

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति

जिला स्तरीय कार्यशाला

प्रगति-प्रतिवेदन

कार्यशाला का उद्देश्य :

समाज के निर्बल वर्ग महिलाओं एवं शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा विभिन्न योजनायें चलायी जा रही हैं इस क्रम में मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति का गठन किया गया है। तथा प्रत्येक समिति को स्वास्थ्य व पोषण के क्षेत्र में अपने ग्रामवासियों को तत्काल राहत दिलाने के उद्देश्य से रू0–10000/–का अन्टाइड फण्ड दिया जाता है।

उपर्युक्त के क्रम में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के छः निर्वाचित सदस्यों (पंचायती राज अधिनियम–1947 के अन्तर्गत गठित ग्राम पंचायत के स्वास्थ्य व कल्याण समिति छः निर्वाचित सदस्य) व अध्यक्ष (ग्राम प्रधान) का एक दिवसीय प्रशिक्षण जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति का गठन, कार्य एवं दायित्व, अन्टाईड फण्ड एवं उसका उपयोग तथा समिति के सदस्यों की क्षमता वृद्धि पर जागरूक किया जायेगा।

कार्यशाला :–

दिनांक 17.12.2015 को समय 04:00 बजे जिलाधिकाकारी महोदय के कैम्प कार्यलय में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा वातावरण निर्माण हेतु एन0जी0ओ0 के सहयोग से जागरूकता बैठक आयोजन किया गया जिसमें जनपद स्तरीय विभागों के (जैसे–पंचायती राज, आई0सी0डी0एस0, पी0डी0,

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति

डी0आर0डी0ए0 एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0आर0एच0एम0 के साथ ब्लाक स्तर से बी0डी0ओ0, सी0डी0पी0ओ0 एवं अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी) एवं एन0जी0ओ0 प्रतिनिधि आदि कुल–50 प्रतिभागियों को सम्मिलित हुये

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के पदाधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन मे जिलाधिकारी महोदय ने उपस्थित के पदाधिकारियों को वीएचएसएनसी को सुचारू रूप से संचालन करने के साथ-साथ उनके दायित्वों कर्तव्यों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई करने का निर्देश दिया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय श्री पी० के० सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायतों में बैठको का आयोजन किया जा रहा हैं, जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधानों करेंगे। सभी प्रतिभागियो को सम्बोधित करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय श्री पी० के० सिंह ने कहा कि यह अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से शामिल है। इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाए। और गर्भवती महिलाओं को इसके बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी जाए। जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यू दर के रोकथाम पर अंकुश लग सके।

कार्यक्रम को आगे बढाते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्री प्रमोद कुमार जी ने कहा कि मा एवं बच्चे को अवश्कतानुसार भोजन न मिलना। स्वाच्छता न होने से पेट में कीडे पडना तथा खुन की कमी होने से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की घटनाएं होती है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को चाहिए की गर्भवस्था में कम से कम चार बार स्वास्थ्य जांच जरूर कराए एवं आयरन तथा कैल्सियम की गोली का सेवन अवश्य करे। ग्राम स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति(वीएचएससी) की भूमिका का विस्तार करते हुए जिला स्तरीय प्रशिक्षक **श्री अशोक कुमार ने** बताया कि इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम और आशा की सक्रिय भागीदारी के साथ पोषण मुद्दों को भी शामिल करने का फैसला किया गया है। समितिको अब ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति(वीएचएसएनसी) के नाम से जाना जाएगा। एनआरएचएम कार्यान्वयन के ढांचे के अनुसार वीएचएससी की निर्धारित गतिविधियों में वीएचएसएनसी पोषण से संबंधित निगरानी स्थितियां , मुद्दे और कार्यकलाप शामिल रहेंगे। वीएचएसएनसी के व्यापक कार्यकलापों में मौजूदा वीएचएससी के अलावा निम्न गतिविधियां भी शामिल होंगी।

• स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में पोषण की महत्ता और पोषण मुद्दों के बारे में

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति

जागरूकता पैदा करना।

• गांव में विशेषकर महिलाओं और बच्चों में पोषण स्थितिऔर पोषक तत्वों की कमी पर सर्वेक्षण को अंजाम देना।

• बेहतर पोषक तत्वों से युक्त उपलब्ध स्थानीय भोजन के साथ-साथ स्थानीय संस्कृतिके अनुकूल (पारंपरिक बुद्धिमता) बेहतर कार्यकलापों का प्रोत्साहन और विस्तार।

• ग्राम स्वास्थ्य योजना में पोषण आवश्यकताओं को शामिल करना-समिति एनएनएम, एडब्ल्यूडब्ल्यू, आशा और आईसीडीएस पर्यवेक्षकों को शामिल करते हुए समुदाय और परिवार स्तर पर कुपोषण के कारणों का गहराई से अध्ययन करेगी।

• ग्राम और पोषण दिवस की निगरानी और पर्यवेक्षण को सुनिश्चित किया जाए किग्राम में प्रत्येक माह इनका आयोजन किया जाता है और इनमें पूरे गांव की सक्रिय भागीदारी होती है।

• समुदाय में कुपोषित बच्चों की शीघ्र पहचान सुविधा, निकटतम पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) के साथ संबंध के साथ-साथ दीर्घावधिपरिणामों का अनुसरण।

• ग्राम में आंगनवाड़ी केन्द्र (एडब्ल्यूसी) के कार्यकलापों की निगरानी और महिलाओं और बच्चों की पोषण की स्थितिमें सुधार के लिए इसके कार्यों को सुविधा प्रदान करना।

• स्वास्थ्य और पोषण मुद्दों पर शिकायत निवारण मंच के रूप में कार्य करना।

समिति ग्राम पंचायत की उप-समिति के तौर पर कार्य कर सकती है और ग्राम पंचायत की पूर्ण निगरानी के अंतर्गत कार्य करेगी।

कार्यशाला का समापन अध्यक्ष मुख्यचिकित्साधिकारी महोदय के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन कर दिया गया |